A–0287

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY-607

MA Jyotish (MAJY)

(ज्योतिषशास्त्रीय विविध योग एवं दशाफल विचार-02)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×19=38)

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वृहत्पराशरहोराशास्त्र ग्रन्थानुसार सूर्य, चन्द्र एवं भौम महादशा फल विचार का लेखन कीजिए।

2. सूर्य में समस्त चन्द्रादि ग्रहों का प्रत्यन्तर दशा फल का वर्णन कीजिए।

3. शनि एवं गुरु ग्रह का सूक्ष्मान्तर्दशा फल प्रतिपादित कीजिए।

4. पठित ग्रन्थानुसार स्त्री के विभिन्न अंगों का लक्षण विचार का वर्णन कीजिए।

5. यात्राकालिक शुभाशुभ शकुन फल विचार का उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. राहु महादशा फल का वर्णन कीजिए।

2. चन्द्र में भौमादि ग्रहों का अन्तर्दशा फल लिखिए।

3. सूक्ष्म दशा का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

4. सत्वादि गुण फल का परिचय दीजिए।

5. शकुन से क्या तात्पर्य है ? जीवों द्वारा शकुन फल विचार का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

6. पल्ली पतन विचार का लेखन कीजिए।

7. वशिष्ठ संहिता के अनुसार शकुन फल का प्रतिपादन कीजिए।

8. स्वप्न के प्रकार एवं कारण का वर्णन कीजिए।

****